# पतझर में टूटी पत्तियाँ

## रवींद्र केलेकर

### प्रदत्त कार्य-1 : परिचर्चा

**विषय : प्रतिस्पर्द्धा मनुष्यता के विकास में बाधक।**

**उद्देश्य :**

- स्वानुभव को शब्दबद्ध करके अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि व अनुप्रयोग।
- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- समस्या पहचान उसके निदान हेतु उपाय ढूंढ़ने की क्षमता का विकास।
- विचारों का प्रस्तुतीकरण।
- श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक जीवन में तनाव के कारणों के विषय में चर्चा करेंगे।
3. तनाव के कारणों के निदान के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाए।
4. तीन-चार विद्यार्थियों का एक समूह बनाया जाएगा। समस्त कक्षा को समूहों में बांट दिया जाएगा।
5. प्रत्येक समूह सामने आकर अपने विचार प्रस्तुत करेगा।
6. अध्यापक और अन्य छात्र समूह की चर्चा का मूल्यांकन करेंगे।
7. मूल्यांकन के आधार बिंदु कार्य से पूर्व ही विद्यार्थियों को बता दिए जाएंगे।
8. विद्यार्थियों को तैयारी के लिए दस मिनट का समय दिया जाएगा।
9. तैयारी के समय अध्यापक घूम-घूमकर विद्यार्थियों का निरीक्षण करेंगे।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- विषय वस्तु

- शब्द चयन एवं वाक्य रचना
- सहभागिता एवं सक्रिय योगदान
- आत्मविश्वास एवं हावभाव
- प्रवाहशीलता, क्रमबद्धता, सुसम्बद्धता

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- मुख्य एवं अच्छे विचार बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।
- गलतियों एवं अशुद्धियों का निदान किया जाएगा।
- जीवन में तनाव दूर करने के श्रेष्ठ उपायों की सराहना की जाएगी।

## प्रदत्त कार्य-2 : सामासिक शब्दों का चयन।

### विषय : पाठ में आए सामासिक शब्दों का चयन करना।

**उद्देश्य :**

- तार्किक व आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- विचार-विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- मंडन एवं खंडन का अभ्यास।
- ज्ञान का विस्तार।
- मंच भय से मुक्ति।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. सामूहिक कार्य।
2. सामासिक शब्द के विषय में बताना / उदाहरण देना।
3. चार-चार विद्यार्थियों का एक समूह होगा व एक समूह से एक वक्ता अपने समूह का मत प्रस्तुत करेगा।
4. तैयारी के लिए एक दिन का समय दिया जाए।

5. प्रस्तुति के लिए 1.5–2 मिनट का समय दिया जाएगा।

6. तैयारी के समय शिक्षक कक्षा में घूम–घूमकर विभिन्न समूहों का निरीक्षण करें।

7. मूल्यांकन का आधार कार्य से पूर्व ही विद्यार्थियों को स्पष्ट कर दिया जाए।

8. एक समूह की प्रस्तुति के लिए अध्यापक व अन्य समूह मूल्यांकन का कार्य करेंगे।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- विषय वस्तु
- तार्किक क्षमता
- भाषायी क्षमता
- अभिव्यक्ति व प्रस्तुतीकरण
- उपयुक्त उदाहरणों द्वारा तर्क की पुष्टि

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।
- प्रत्येक वक्ता को प्रोत्साहित किया जाए।
- अच्छे वक्ताओं की प्रस्तुति को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाए।
- प्रस्तुति, अभिव्यक्ति एवं विषय वस्तु से सम्बन्धित कमियों को शिक्षक दूर करने का प्रयास करें।

## प्रदत्त कार्य–3 : मानचित्र के माध्यम से चाय उत्पादक राज्य के विषय में जानकारी।

**विषय : चाय उत्पादक राज्यों के बारे में जानना।**

**उद्देश्य :**

- भारत के चाय उत्पादक राज्यों की जानकारी एवं स्थिति।
- तथ्य संकलन की प्रेरणा।
- मानचित्र में स्थान चिह्नित करने का अभ्यास।
- चाय के लिए ये राज्य क्यों उपयुक्त है अत: यहाँ पाई जाने वाली मिट्टी और जलवायु का परिचय करवाना।

- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. पाठ समाप्ति पर यह कार्य करवाया जाए।
3. शिक्षक चावल, गेहूं या कपास उत्पादक राज्यों के विषय में बताते हुए कार्य के स्वरूप से विद्यार्थियों को परिचित करवाएं।
4. विद्यार्थियों को एक दिन पूर्व ही भारत का मानचित्र लाने का निर्देश दिया जाए।
5. निर्धारित दिन सभी विद्यार्थी मानचित्र पर चाय उत्पादक राज्यों की पहचान कर उसे चिह्नित करेंगे तथा अलग पृष्ठ पर उन राज्यों के विषय में दो-तीन पंक्तियां लिखेंगे।

6. इस कार्य हेतु विद्यार्थियों को 30 मिनट का समय दिया जाए।

7. कार्य के दौरान शिक्षक निरीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी करेंगे। मूल्यांकन के आधार पूर्व में ही बता दिए जाएं।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- सम्पूर्ण जानकारी देने पर (सभी राज्य)
- राज्यों के विषय में सही जानकारी देने पर
- शुद्ध वर्तनी, शब्द चयन, सटीक वाक्य रचना

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- सम्पूर्ण कार्य सही करने वाले विद्यार्थियों की सराहना।
- अधूरा कार्य पूरा करने हेतु अतिरिक्त समय दिया जाए।
- सही कार्य करने वाले छात्र अन्य छात्रों की सहायता कर उनका कार्य पूरा करा सकते हैं।

## प्रदत्त कार्य-4 : विचार प्रस्तुतीकरण

**विषय : समाज के कुछ आदर्शवादी लोगों के आदर्शों पर।**

**उद्देश्य :**

- नैतिक मूल्यों का विकास।
- सामाजिक दायित्वों का विकास।
- आदर्शवादी मूल्यों की पहचान।
- चिंतन प्रवृत्ति का विकास।
- प्रस्तुतीकरण शैली का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।

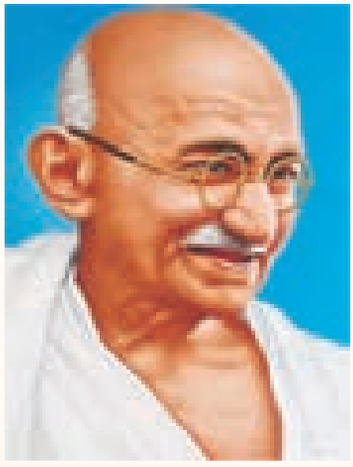
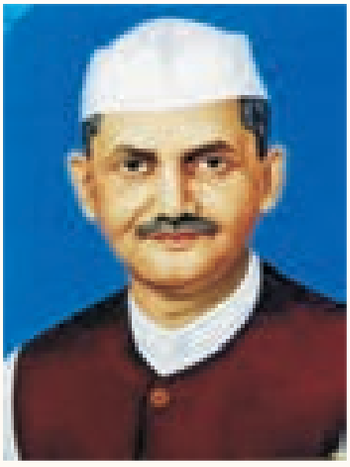
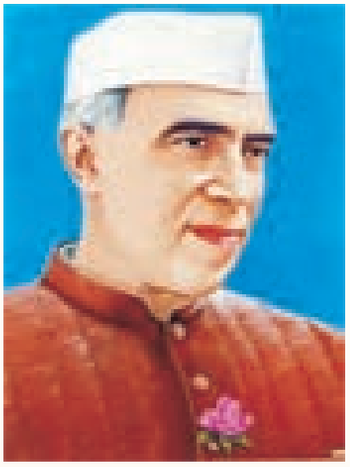

2. शिक्षक द्वारा ये तीनों चित्र दिखाकर उनके आदर्शों के विषय में विद्यार्थियों से चर्चा की जाएगी।
3. अब विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा इन तीन चित्रों के अलावा किसी एक महान चरित्र के आदर्शों के बारे में जानकारी एकत्र करके 8–10 पंक्तियों में कक्षा को उनके आदर्शों के विषय में बताएंगे।
4. विद्यार्थी को यह कार्य करने के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा।
5. प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रस्तुति के लिए 1.5–2 मिनट तक का समय दिया जाएगा।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- विषय वस्तु
- शब्द चयन व वाक्य रचना
- प्रवाहशीलता व क्रमबद्धता
- उच्चारण की शुद्धता
- आत्मविश्वास व प्रस्तुति

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- प्रत्येक विद्यार्थी के विचारों को सुना जाएगा।
- मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।
- प्रत्येक प्रस्तुति का मूल्यांकन शिक्षक स्वयं करेंगे व अन्य विद्यार्थियों की सहायता भी ली जा सकती हैं।

- सभी विद्यार्थियों के विचारों को एकत्रित करके कक्षा के सूचनापट्ट पर लगाएं।
- अधूरा कार्य करने वाले विद्यार्थियों को प्रेरित करके कार्य पूरा करवाएँ।

## प्रदत्त कार्य-5 : सूची-निर्माण

**विषय : 'वे कार्य जो सामाजिक व नैतिक दृष्टि से उचित होते हुए भी अक्सर हम नहीं करते।'**

**उद्देश्य :**

- नैतिक मूल्यों की पहचान व विकास।
- आत्म विश्लेषण।
- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- चिंतन-मनन प्रवृत्ति का विकास।
- तुलनात्मक वर्गीकरण कर सकने की क्षमता का विकास।
- लेखन, वाचन कौशल का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. यह कार्य व्यक्तिगत व सामूहिक दोनों रूपों से कराया जा सकता है।
2. सूची बनाने के प्रारूप को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख दे जिसे विद्यार्थी एक पृष्ठ पर उतारेंगे।

   सत्य बोलना चाहिए परंतु मैं अक्सर .....

   बड़ों की बातें माननी चाहिए परंतु मैं अक्सर .....

   क) .....

   ख) .....

   ग) .....

   घ) .....

   ङ) .....

   च) .....

   छ) .....

ज) .....

झ) .....

ञ) .....

3. मूल्यांकन के आधार पहले ही स्पष्ट कर दिए जाएं।

4. सूची तैयार करने हेतु विद्यार्थियों को 10–12 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।

5. इस दौरान शिक्षक यह ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थी रूचिपूर्वक कार्य को कर रहे हैं। प्रपत्र एकत्रित कर शिक्षक उसकी जांच करेंगे।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- सही उत्तर

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- अच्छा कार्य करने वाले की सराहना।
- जांच के बाद शिक्षक यह अवश्य समझाए कि जो कार्य हम अक्सर नहीं करते वे कितने महत्वपूर्ण हैं इसलिए वह विद्यार्थियों को इन मूल्यों के प्रति जागरूक करें।
- जो कमियाँ रही उन्हें सुधारने हेतु सुझाव दिए जाएँ।